लाहिड़ी महाशय पुण्यतिथि पूजा एवं क्रियायोग दीक्षा कार्यक्रम, 'सत्यलोक', अक्टूबर 2023

प्रियजन,
'सत्यलोक' में अक्टूबर 2023 में लाहिड़ी महाशय पुण्यतिथि पूजा और क्रियायोग दीक्षा का कार्यक्रम गुरुदेव श्री उज्ज्वल लाहिड़ी द्वारा सम्पन्न होगा।

'सत्यलोक', वाराणसी में दी जाने वाली वंश-परंपरा की क्रियायोग दीक्षा एक गहन प्रक्रिया है जिसमें क्रियायोग के तीनों आयामों – स्वाध्याय, तप और ईश्वरप्रणिधान को विस्तृत रूप से साझा किया जाता है और यह 5 दिनों में संपन्न होता है।

अक्टूबर 2023 में सम्पन्न होने वाली पूजा एवं क्रिया दीक्षा का कार्यक्रम निम्नलिखित है –
1) 21 अक्टूबर 2023, शनिवार, संध्या 7:00 से 9:00 बजे - दीक्षा पूर्व स्वाध्याय की वाणी - 1
2) 22 अक्टूबर 2023, रविवार, सुबह 8:30 से 10:30 बजे – सामूहिक क्रिया-अभ्यास (केवल पुराने क्रियावानों के लिए)
3) 22 अक्टूबर 2023, रविवार, संध्या 7:00 से 9:00 बजे - दीक्षा पूर्व स्वाध्याय की वाणी - 2
4) 23 अक्टूबर 2023, सोमवार, सुबह 9:30 बजे से - लाहिड़ी महाशय पुण्यतिथि पूजा तत्पश्चात् पुष्पांजलि एवं भंडारा प्रसाद (भोजन)
5) 24 अक्टूबर 2023, मंगलवार, सुबह 8:30 से शाम 6:00 बजे तक – क्रियादीक्षा (तप)
6) 25 अक्टूबर 2023, बुधवार , सुबह 8:30 से दोपहर 2:00 बजे तक– क्रिया पुनरावलोकन एवं ईश्वरप्रणिधान

इस संदर्भ में निम्नलिखित सूचनाएँ पठनीय हैं –

क) बाहर से आनेवाले सभी दीक्षार्थियों से निवेदन है कि उपर्युक्त कार्यक्रम के आलोक में वे अपनी यात्रा की योजना इस प्रकार बनायें कि 21 अक्टूबर, शनिवार के दोपहर तक वाराणसी अवश्य पहुँच जाएँ और 25 अक्टूबर, बुधवार की संध्या काल के बाद ही वाराणसी से प्रस्थान करें।

ख) सभी दीक्षार्थियों के लिए 21 अक्टूबर एवं 22 अक्टूबर 2023 के 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में उपस्थिति आवश्यक है। किसी भी कारण से यदि कोई दीक्षार्थी 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाता है तो उसे क्रियादीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।

ग) दीक्षा हेतु पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराना आवश्यक है। अतः बिना पूर्व पंजीकरण के दीक्षा हेतु सीधे 'सत्यलोक' आने वालों का दीक्षा के लिए पंजीकरण तभी किया जाएगा जब पहले से ऑनलाइन पंजीकृत लोगों के बैठने की व्यवस्था के बाद भी स्थान रिक्त रहेगा। दीक्षा की अनुमति मिलने पर ऐसे लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे 25 अक्टूबर के दोपहर 2 बजे तक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

24 एवं 25 अक्टूबर के दीक्षा और पुनरावलोकन कार्यक्रम में केवल उन्हें ही भाग लेने की अनुमति होगी जिन्होंने 21 एवं 22 अक्टूबर के 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में भाग लिया है।

घ) दीक्षा कार्यक्रम के दौरान अर्थात् 21 से 25 अक्टूबर 2023 तक अपने ठहरने की व्यवस्था दीक्षार्थी को स्वयं करनी होगी। इस संबंध में सुझाव है कि दीक्षार्थी अपने ठहरने की व्यवस्था दशाश्वमेध घाट, चौषट्टी घाट, चौषट्टी देवी मंदिर के आसपास करें ताकि निकट होने से 'सत्यलोक' आने-जाने में सुविधा हो।

ङ) कार्यक्रम में भाग लेनेवाले सभी लोगों के लिए सत्यलोक मंदिर का भंडारा प्रसाद (दिन एवं रात्रि का भोजन) निःशुल्क उपलब्ध होगा। भंडारा 21 अक्टूबर के रात्रि भोजन से प्रारंभ होकर 25 अक्टूबर के रात्रि भोजन तक चलेगा।

च) यदि कोई दीक्षार्थी पहले दिन, दूसरे दिन, चौथे दिन एवं पाँचवे दिन के उपर्युक्त कार्यक्रमों के किसी भी भाग में हिस्सा नहीं ले पाता है तब उसकी दीक्षा पूर्ण नहीं मानी जाएगी और इसीलिए मंदिर के दीक्षित लोगों के रजिस्टर में उसका नाम नहीं चढ़ाया जाएगा।

छ) उपलब्ध समय में अधिकतम लोगों तक बात पहुँचाने हेतु दीक्षा संबंधी सभी कार्यक्रम केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में संचालित होंगे।

ज) दीक्षा कार्यक्रम में नए दीक्षार्थियों के अतिरिक्त केवल वंश-परंपरा में दीक्षित पुराने क्रियावान भाग ले सकते हैं।

झ) सभी दीक्षार्थियों से निवेदन है कि 'सत्यलोक' आने के पूर्व कृपया ई-मेल भेज कर क्रियायोग दीक्षा के लिए अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। उसके लिए कृपया अपना पूरा नाम, उम्र, संपर्क-पता, फोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, ईमेल तथा अक्टूबर 2023 में क्रियायोग दीक्षा हेतु पंजीकरण कराने संबंधी निवेदन लिखकर satyalokinitiation@gmail.com पर ईमेल कर दें। ईमेल का उत्तर प्रति सप्ताह बुधवार और शनिवार को दिया जाएगा।

ञ) किसी भी अन्य जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें–
श्री कृष्णन @77188 98055 (व्हाट्सएप), भारतीय समय 11:00 पूर्वाह्न से 7:00 अपराह्न तक
श्री कामाख्या प्रसाद @94319 35954 (व्हाट्सएप), भारतीय समय 11:00 पूर्वाह्न से 7:00 अपराह्न तक

ट) दीक्षा हेतु पंजीकरण केवल ईमेल द्वारा ही स्वीकार होगा। व्हाट्सएप अथवा एस.एम.एस. द्वारा पंजीकरण का निवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जयगुरु